फार्म

अचल संपत्ति विवरणिका वर्ष 2013

प्रथम नियुक्ति के समय अचल संपत्ति का विवरण वर्ष 1992, निरंक
अधिकारी/कर्मचारी का पूरा नाम राजेन्द्र सिंह राजपूत 2. वर्तमान धारित पद डी.ओ.ए.ग्रे-1 (ट्रेनर) 3.कार्यालय का पूरा नाम मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट) म.प्र.पा.ट्रा.कं.लि. जबलपुर
4. वर्तमान वेतन 15370+3800+DA 5. भविष्य निधि कमांक 25849505 कर्मचारी संख्या 91580067

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो।	संपत्ति का नाम तथा ब्यौरे → गृह तथा अन्य भवन	भूमि	वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका मण्डल अधिकारी /कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया "खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, भेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा ब्यौरा	संपत्ति से वार्षिक आय	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
① स्वयं के नाम पर निरंक	स्वयं के नाम पर निरंक	स्वयं के नाम पर निरंक	स्वयं के नाम पर निरंक	स्वयं के नाम पर निरंक	स्वयं के नाम पर निरंक	निरंक	निरंक
② जबलपुर संजय नगर सुभाष वार्ड नं.34 अधारताल जबलपुर	गृह	निरंक	लगभग= 5 लाख	स्व.श्री वीरेन्द्र सिंह राजपूत पिता	पट्टा	निरंक	निरंक

हस्ताक्षर [signature] 15.11.14

नाम राजेन्द्र सिंह राजपूत

पद डी.ओ.ए.ग्रे-1 (ट्रेनर)

* जहाँ लागू न हो काट दीजिये।

.. ऐसे मामले में जहाँ मूल्य का सही–सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति में लगभग मूल्य बतलाया जाये।

... इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित हैं ।

टिप्पणी– मण्डल द्वारा ग्राह्य म.प्र.शासकीय सेवक (आचरण) नियम 1965 के नियम (1) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय उसके बाद प्रत्येक 12 महीने की अवधि के पश्चात् यह घोषणा पत्र भरकर प्रस्तुत करें और उसमें वह उसके स्वामित्व की तथा उसके द्वारा अर्जित अथवा उसे विरासित में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर अथवा किसी अन्य लंबित के नाम से पट्टे या बंधक पर धारित स्थावर (अचल) संपत्ति का विवरण देवें।